

This question paper contains 4 printed pages]

H.P.A.S. (Main)—2011

ANTHROPOLOGY

Paper II

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 150

Note :— Attempt *Five* questions in all. Question No. 1 is compulsory. *All* questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्र. क्र. 1 अनिवार्य है।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write notes on any *two* of the following :

- (i) National integration issues in India.
- (ii) Sanskritization and Westernization.
- (iii) Cultural problems related to economic and psychological frustration.
- (iv) Role of anthropology in tribal development.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

- (i) भारत में राष्ट्रीय एकीकरण के मुद्दे ।

P.T.O.

- (ii) संस्कृतिकरण तथा पाश्चात्त्यीकरण ।
- (iii) आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कुंठा से संबंधित सांस्कृतिक समस्याएँ ।
- (iv) जनजातीय विकास में नृशास्त्र का योगदान ।

2. Give a detailed account of racial elements in people of India.

भारत के लोगों में जातीय तत्वों का विस्तृत हवाला दीजिए ।

3. What are the characteristic features of Mesolithic phase of the Prehistory ? Describe Mesolithic cultures of India.

प्राक्ऐतिहासिक मध्यपाषाणीय अवस्था की लाक्षणिक विशेषताएँ कौन-कौनसी हैं ? भारत की मध्यपाषाणीय संस्कृतियों का वर्णन कीजिए ।

4. Describe the administration of scheduled and tribal areas by highlighting the Indian Constitutional provisions.

भारतीय संवैधानिक उपबंधों पर प्रकाश डालते हुए अनुसूचित तथा जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए ।

5. Describe problems of tribal people that have generated tribal unrest and discontentment despite various constitutional safeguards. Highlight the constitutional provisions also.

विभिन्न संवैधानिक सुरक्षा कवच होने के बावजूद जनजातीय लोगों की उन समस्याओं का वर्णन कीजिए जिन्होंने जनजातीय आक्रोश तथा असन्तोष पैदा किया है । संवैधानिक प्रावधानों का हवाला भी दीजिए ।

6. Discuss nature and reasons of stratification under Indian social system. Distinguish Caste, Varna Ashram and Purushartha.

भारतीय सामाजिक तंत्र के अंतर्गत स्तरीकरण की प्रकृति तथा कारणों की व्याख्या कीजिए । जाति, वर्णाश्रम तथा पुरुषार्थ के बीच अन्तर्भेद कीजिए ।

7. Describe the distinctive contribution of various anthropologists in studying developing various concepts related to the study of tribal and peasant sections of Indian population.

भारतीय जनसंख्या के जनजातीय तथा कृषक वर्गों के अध्ययन से संबंधित विकासशील विभिन्न धारणाओं के अध्ययन में विभिन्न नृशास्त्रज्ञों के विशिष्ट योगदान का वर्णन कीजिए ।

8. Write notes on the following :

- (i) Indian Constitutional provisions regarding scheduled castes.
- (ii) Social disabilities suffered by the scheduled castes.

निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

- (i) अनुसूचित जातियों से संबंधित भारतीय संविधान के उपबंध ।
- (ii) अनुसूचित जातियों द्वारा बर्दाश्त की जाने वाली सामाजिक अयोग्यताएँ ।